जूम ट्रैक नम्बर 12

दिनांक 18.2.2024.

कलाकार का विवरण

नाम - नसीर खां   पिता का नाम - मुगर खां

जाति - मांगणियार   आयु - 35

पता - जैसीन्दर   वाद्य का विवरण - हारमोनियम

कला का विवरण - सुफि

(1) करनी माता की चर्चा ⇒ करनी माता की चर्चा की गई। करनी माता की जीवन कहानी व सवारी सुख सम्पत एंव अन्य माता के गुणो की व्याख्या की गई। माता चारणो को, कागीया जात मेगवाल को पहले पुज्वा दिया, और सिंह की असवारी है हाथ मे त्रिसुल है। सिंह का रुप धारण किया हुआ है। माता को सेवक अनेक रुप मे दिखाई देती है माता अ सेवक का साथ देती है यह माता करनी के सच्चे पर्चे है। सबके भाग सुधारती है मां

(2) बुलेशाह का कलाम ⇒ यानी बुलेशाह को बारो की बोली मे व्याख्या की गई है यानी सिरजा सायदा, और बुलेशाह के गुणो का वर्णन सफलता पूर्ण किया गया। इस्क के बारे मे विस्तार से वर्णन कर सम्बन्ध व गुणो का वर्णन किया गया। इलाजु किन्दा इलदा, सानु इस्क लगा दम पलदा - इस शब्दो से वर्णन किया गया।

(3) लखी बणजारा ⇒ अपने पति से अर्ज करती है कि आप मुझे मारवाड़ मे घुमाओ व वहां का रहन सहन, खान, पान. व रिति रिवाज से अवगत करावे। मै मारवाड़ की सैर करना चहती हु। और पति से अर्ज करती है और पति देव उनको मारवाड़ का सैर करवाते है तो इससे पता लगता है कि पति की मोहब्बत से सैर का मौका मिला।

(1) **जीयो जुगड़ोतो मिले** ⇒ इस कलाम में मनुष्य के जीवन व मरण की कहानी को सार विस्तार से बताती ~~थी~~ है। यानी की मनुष्य के जीवन मे सुख व दुख दोनो आते है। पर मनुष्य इन दुखो सहन करके अपनी जिंदगी पार कर लेगा, मनुष्य को आने वाली विपतियो का डटकर मुकाबला करे पर वह अपनी जीदी पार कर लेगा, तो मनुष्य को हमेशा, अपना रास्ता नही भूलना चाहिए हय जानीड़ा जीयो जीवन तो जाए हमे इस जन्म का सही उपयोग करना चाहिए। इस जीवन मे अगर अच्छा नही किया तो, दुबारा जीवन नही मिलेगा, तो हमे संभल कर चलना चाहिए। तो भगवान हमारे ऊपर प्रसन्न होगा, यह इस कलाम मे विस्तार से बताया गया।